मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 279, मुंबई, शुक्रवार, 10 जनवरी, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

कैलिफोर्निया में आग से सब तरफ तबाही

हॉलीवुड के अस्तित्व पर मंडराया खतरा, 1 लाख से ज्यादा बेघर, 10 मौतें

मुंबई हलचल/संवाददाता

कैलिफोर्निया। जहां एक तरफ अमेरिका के कैलिफोर्निया में आग का तांडव आज भी जारी है। वहीं कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी आग अब और भी विकराल और भयंकर हो गई है। अब इस आग के चलते 2 लाख से ज्यादा लोगों को घर छोड़ने का आदेश मिला है। ये आग अब हॉलीवुड तक पहुंच चुकी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कराड पर किसका आशीर्वाद...

ईडी के नोटिस पर सुप्रिया-अजित आमने-सामने, पवार बोले- सबूत पर करें बात

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बीड के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के आरोप में कथित रूप से कैबिनेट मंत्री धनजंय मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड को गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद सर्वपक्षीय नेता लगातार मुंडे के साथ कराड पर निशाना साध रहे हैं। राकां शरद पवार गुट की सांसद व पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने दावा किया है कि आय से अधिक संपत्ति मामले में ईडी ने 2022 में कराड को नोटिस भेजा था लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इस पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि अगर कराड के खिलाफ समय से कार्रवाई की गई होती तो आज सरपंच देशमुख की हत्या नहीं होती। राकां सांसद गुरुवार को पार्टी की बैठक के बाद आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में बोल रही थीं। सुप्रिया ने कहा कि हमारे नेता पिछले एक महीने से बीड और परभणी घटना के बारे में बात कर रहे हैं। इसके खिलाफ सबसे पहली बार बजरंग सोनवणे ने संसद में आवाज उठाई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

इंडिया गठबंधन का नहीं रहा वजूद...

राउत बोले- फिर नहीं बनेगा ऐसा कोई अलायंस, इसे ठहराया जिम्मेदार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर गरमा-गरमी तेज है। सबसे ज्यादा आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन को लेकर खबरें तेज है। इस बार दिल्ली चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन टूटते हुए नजर आ रहा है। इस दौरान कांग्रेस की बुरी हार के भी कयास लगाए जा रहे है। वो इसलिए क्योंकि एक-एक कर इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियां कांग्रेस का साथ छोड़ रही है। कल संजय राउत और शिवसेना यूबीटी के उद्धव ठाकरे ने भी ये बात साफ कर दी थी कि इस बार वे कांग्रेस का साथ नहीं देंगे और उन्हें अफसोस है कि वे इंडिया गठबंधन में शामिल है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में लाड़की बहिन योजना को लेकर संजय राउत ने कहा कि लाड़की बहिन योजना के सरकार 1500 नहीं दे पा रही है और 2100 तो भी नहीं दे पाएगी। चुनाव था इसलिए 1500 में बहनों के वोट सरकार ने खरीद लिए। अगली बार जब चुनाव आएगा तो फिर वे 2100 दे देंगे

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आंकड़ों में असलियत

एनएसओ के अग्रिम अनुमान में कहा गया है कि 2024-25 में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चार साल के न्यूनतम स्तर पर रहेगी। ध्यानार्थ है कि अग्रिम अनुमान के आंकड़ों को ही अगले वित्त वर्ष के बजट का आधार बनाया जाता है।

अब केंद्र ने भी माना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था रफ्तार खो रही है। वैसे तो पहले दिखी उच्च वृद्धि का भी आधार मजबूत नहीं था। कोरोना काल में माइनस में गई वृद्धि दर के आधार पर अर्थव्यवस्था उठी, तो वृद्धि दर काफी ऊंची दिख रही थी। इस बीच अर्थव्यवस्था के उत्तरोत्तर वित्तीयकरण से वित्तीय संपत्तियों में इजाफे से भी जीडीपी वृद्धि दर ऊंची दिखती रही। जबकि मैनुफैक्चरिंग से लेकर आम उपभोग तक में गिरावट का सिलसिला जारी था। निजी निवेश वर्षों से अपेक्षित स्तर पर नहीं आ पाया है। इस बीच सरकार ने पूंजीगत खर्च बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को बेहतर दिखाने की कोशिश की। मगर ये सारे तरीके अब धार खो रहे हैं। नतीजतन केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के 2024-25 के अग्रिम अनुमान में कहा गया है कि इस अवधि में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चार साल के न्यूनतम स्तर पर- यानी महज 6.4 प्रतिशत रहेगी। यह ध्यान रखना चाहिए कि अग्रिम अनुमान के आंकड़ों को ही अगले वित्त वर्ष के लिए पेश होने वाले बजट का आधार बनाया जाता है। जबकि अग्रिम अनुमान में कम-से-कम एक आंकड़ा ऐसा है, जिसे बाजार अर्थशास्त्रियों ने अति आशावादी माना है। ये आंकड़ा निजी उपभोग का है, जिसमें सरकारी अनुमान के मुताबिक इस वित्त वर्ष में 7.3 फीसदी बढ़ोतरी होगी। अर्थशास्त्रियों ने ध्यान दिलाया है कि इस वर्ष वेतन वृद्धि की दर निम्न है और शहरी उपभोक्ता सामग्री बनाने वाली कंपनियां लगातार निराशाजनक आंकड़े पेश कर रही हैं। वैसे में इस अनुमान के मुताबिक परिणाम आना मुश्किल ही है। ये अनुमान सटीक नहीं निकला, तो असल में आर्थिक वृद्धि दर और नीचे जा सकती है। वर्षों से ये जरूरत बताई जा रही है कि निजी निवेश और उपभोग का ना बढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख समस्या बनी हुई है। इसे संभालने के कोई ठोस उपाय सरकार ने नहीं किए हैं। नतीजा अर्थव्यवस्था की बुनियाद कमजोर होते जाने के रूप में सामने आया है। अब जबकि अर्थव्यवस्था के लिए अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां बढ़ने के संकेत हैं, तो स्थिति बदतर हो सकती है। क्या एक फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट में सुधार के उपायों की उम्मीद जोड़ी जा सकती है?

पूर्व राष्ट्रपति माननीय रामनाथ कोविंद भारत के पहले 'विश्व शांति केंद्र' के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे

श्री श्री रविशंकर, स्वामी रामदेव, कई विशिष्ट संत समारोह में शिरकत करेंगे-आचार्य लोकेश मुनि

मुंबई हलचल/संवाददाता

नई दिल्ली। हिंसा विश्व भारती एवं विश्व शांति केंद्र के संस्थापक प्रख्यात जैन आचार्य लोकेश मुनि ने भारत के 14 वें राष्ट्रपति माननीय रामनाथ कोविंद से आज भेंट कर गुरुग्राम में नवनिर्मित सप्त मंजिले विश्व शांति केंद्र के उद्घाटन समारोह की विस्तृत जानकारी दी। पूर्व राष्ट्रपति माननीय रामनाथ कोविंद ने उद्घाटन समारोह में भाग लेने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर 7 फरवरी को अहमदाबाद में आचार्य लोकेश मुनि के कर कमलों से दीक्षित हो रहे मुमुक्षु भाई चेतन संत भी साथ थे। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

प्रखर चिंतक, लेखक एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जैनाचार्य लोकेश मुनि ने कहा कि 2 मार्च 2025 को दिल्ली NCR के गुरुग्राम में अहिंसा विश्व भारती द्वारा नव निर्मित सप्त मंजिले भवन 'विश्व शांति केंद्र' के उद्घाटन समारोह में आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर, पतंजलि योगपीठ के संस्थापक स्वामी रामदेव सहित अनेक विद्वान संत तथा देश विदेश से विशिष्ट महानुभाव भाग लेंगे आचार्य लोकेश मुनि ने 7 फरवरी को उनके सानिध्य मे दीक्षित हो रहे मुमुक्षु चेतन का परिचय कराया।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि जैन संतों की तपस्या उल्लेखनीय है उन्होंने आचार्य लोकेश मुनि से पूछा कि इतनी तीव्र सर्दी में आप इतने कम कपड़ों में कैसे रह लेते हैं ? उन्होंने मुमुक्षु चेतन संत को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जैनधर्म में दीक्षित होना सौभाग्य की बात है। पूर्व राष्ट्रपति ने विश्व शांति केंद्र के उद्घाटन समारोह की ओर इशारा करते हुए कहा कि जल्द ही आपसे मुनि वेश में मिलेंगे।

भक्तों को पुण्य की डुबकी का इंतजार, उत्तर प्रदेश सनातन संस्कृति के सबसे बड़े आयोजन के लिए तैयार - जयवीर सिंह

मुंबई हलचल/संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ-2025 की तैयारियों का निरीक्षण किया। प्रयागराज में महाकुंभ की तैयारियों का स्थल निरीक्षण करने के बाद मंत्री जयवीर सिंह ने सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा, महाकुंभ भारतीय आस्था के स्पंदन का प्रतीक है। राज्य सरकार का प्रयास है कि महाकुंभ से लौटने वाला हर श्रद्धालु एक सुखद अनुभव लेकर जाए। उन्होंने कहा, यह उम्मीद जताई जा रही है कि सनातन संस्कृति में आस्था रखने वाले लगभग 40 से 50 करोड़ श्रद्धालु इस महाकुंभ में भाग लेंगे। मीडिया से बात करते हुए जयवीर सिंह ने कहा, श्रद्धालुओं के ठहरने, यात्रा और परिवहन में कोई कठिनाई न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। मैंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का निरीक्षण किया। तैयारियां हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप हैं। मैंने नेत्र चिकित्सालय भी देखा। माननीय

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हम महाकुंभ के लिए उम्मीद और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रयागराज शहर में 20 छोटे मंचों पर राज्य की विभिन्न लोक कलाओं का प्रदर्शन होगा, जो 45 दिनों तक विभिन्न कलाकारों द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा एक भव्य ड्रोन और लेजर शो का भी आयोजन किया जाएगा, जिसकी तिथियों की जल्द घोषणा की जाएगी। जयवीर सिंह ने यह भी बताया कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ के दौरान प्रयागराज देशभर के कलाकारों के लिए एक मंच प्रदान करेगा, जहां वे अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। प्रमुख कलाकार विभिन्न कला रूपों में श्रद्धालुओं का मनोरंजन करेंगे। श्रद्धालुओं को भव्यता, दिव्यता और आध्यात्मिकता का अनुभव हो, इसके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (UPSTDC) ने पर्यटकों के लिए विभिन्न टूर पैकेज भी तैयार किए हैं। उन्होंने नए साल की शुभकामनाएं दी और राज्य के जागरूक नागरिकों तथा मीडिया से अपील की कि वे महाकुंभ-2025 की ब्रांडिंग और मार्केटिंग में मदद करें ताकि सनातन संस्कृति को और ऊंचाई पर पहुंचाया जा सके। मंत्री जयवीर सिंह ने दिल्ली में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित 'महाकुंभ-2025 प्रीव्यूड' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ-2025 में आस्था की डुबकी लगाने के लिए देश के केंद्रीय नेता, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और संघ शासित क्षेत्रों के एल.जी. को भी आमंत्रित किया गया है। विभिन्न देशों के राजनयिकों से भी इस आयोजन में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराने का अनुरोध किया गया है। पर्यटन विभाग पांच एकड़ में यूपी स्टेट पवेलियन स्थापित कर रहा है, जिसमें 12 सर्किटों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस पवेलियन में अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज, कुशीनगर, सारनाथ, नैमिषारण्य जैसे प्रमुख स्थलों को 3D तकनीक के माध्यम से दर्शाया जाएगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की विशेष सचिव, ईशा प्रिया ने महाकुंभ से जुड़ी सभी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाकुंभ-2025 से संबंधित सभी जानकारी के लिए एक वेबसाइट और ऐप तैयार किया गया है। 990 पर्यटन गाइड और 1500 विक्रेताओं को प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, 1000 टैक्सी-ऑटो ड्राइवरों और 600 नाविकों को विशेष रूप से स्टोरीटेलिंग का प्रशिक्षण दिया गया है। ये सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों को कुंभ की कथा सुनाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कुंभ में क्या करें, क्या न करें पर एक पत्रिका तैयार की गई है, जिसे सभी पर्यटन केंद्रों पर मुफ्त में उपलब्ध कराया जाएगा। पर्यटकों के लिए मानचित्र, बुकलेट और द फेथ पुस्तक भी सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी ताकि दूसरे राज्यों से आने वालों को कोई समस्या न हो।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

महाराष्ट्र की ऐतिहासिक मत्स्य निगरानी परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए आइडियाफोर्ज और श्नेल ड्रोन टेक्नोलॉजीज ने की साझेदारी

महाराष्ट्र के समुद्री संसाधनों की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक निगरानी तकनीक

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। ड्रोन तकनीक में वैश्विक अग्रणी, आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने महाराष्ट्र सरकार के मत्स्य विभाग द्वारा शुरू की गई एक अभूतपूर्व परियोजना के लिए श्नेल ड्रोन टेक्नोलॉजी लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया। इस ऐतिहासिक पहल को आधिकारिक तौर पर 9 जनवरी को मुंबई में लॉन्च किया गया, जिसमें महाराष्ट्र सरकार के मत्स्य पालन और बंदरगाह विकास के कैबिनेट मंत्री माननीय श्री नितेश राणे की गरिमामयी उपस्थिति में मत्स्य आयुक्त कार्यालय में सम्मानित किया गया। यह राज्य प्रादेशिक जल में आईयूयू (अवैध, अप्रतिबंधित और अनियमित) मछली पकड़ने को रोकने के लिए एक शानदार पहल है। इस कार्यक्रम में श्नेल ड्रोन टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और प्रबंध निदेशक भूषण खोमने और आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट बिजनेस डेवलपमेंट, विशाल सक्सेना का सहयोग प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में अत्याधुनिक ड्रोन-आधारित निगरानी और डिजिटल डेटा रखरखाव प्रणाली का उद्घाटन किया गया, जिसे महाराष्ट्र समुद्री मत्स्य पालन विनियमन (संशोधन) अधिनियम, 2021 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह अग्रणी पहल न केवल मत्स्य पालन निगरानी के

लिए उन्नत ड्रोन तकनीक के उपयोग को रेखांकित करती है, बल्कि भारत में इस तरह की पहली तैनाती का प्रतिनिधित्व करती है, जो समुद्री संसाधन प्रबंधन और नियामक प्रवर्तन में एक नया मानदंड स्थापित करती है।

720 किलोमीटर के समुद्र तट पर फैली यह परियोजना महाराष्ट्र के सात प्रमुख तटीय जिलों में ड्रोन तैनात करती है, जिनमें पालघर, ठाणे, मुंबई उपनगरीय, मुंबई शहर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग शामिल हैं। समझौते के हिस्से के रूप में, आइडियाफोर्ज के स्विच यूएवी को समुद्री नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने, समुद्री पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करने और मछली पकड़ने वाले जहाजों की वास्तविक समय की निगरानी और अवैध गतिविधियों का पता लगाने में सक्षम बनाने के लिए तैनात किया जा रहा है। यह परियोजना शुरूआती 8 वर्षों की अवधि के लिए चलने वाली है।

श्नेल ड्रोन टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और प्रबंध निदेशक भूषण खोमने ने इस साझेदारी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, यह भारत में अपनी तरह की पहली परियोजना है जिसे श्नेल ड्रोन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड द्वारा राज्य प्रादेशिक जल में क्रियान्वित किया जा रहा है जिसमें ideaForge उत्पादों की कुछ अनूठी विशेषताएं बहुत बड़ा प्रभाव पैदा कर रही हैं। यह पहल टिकाऊ मत्स्य प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के भारत के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। ड्रोन अब जलीय कृषि फार्मों के प्रबंधन, मत्स्य पालन के बुनियादी ढांचे का आकलन करने और आपदा प्रतिक्रिया प्रयासों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये प्रयास 100 जलवायु-लचीले तटीय मछुआरा गाँव बनाने के केंद्र सरकार के मिशन के अनुरूप हैं, जो लचीले समुदायों के निर्माण में प्रौद्योगिकी की अभिन्न भूमिका को दर्शाता है। मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे ने कहा, ड्रोन निगरानी परियोजना का उद्देश्य महाराष्ट्र समुद्री मछली पकड़ने के विनियमन (संशोधन) अधिनियम, 2021 को प्रभावी ढंग से लागू करना है, पारंपरिक मछली पकड़ने वाले समुदाय के हितों की रक्षा करना और प्रवासी मछुआरों द्वारा अवैध रूप से मछली पकड़ने को रोकना है। गश्ती जहाजों द्वारा मैन्युअल निरीक्षण अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि अनधिकृत नावें पकड़ से बच सकती हैं। ड्रोन तेज, अधिक कुशल गश्त, वास्तविक समय के साक्ष्य एकत्र करने और एक साथ कई क्षेत्रों को कवर करके इस समस्या का समाधान करेंगे। यह अनधिकृत मछली पकड़ने की गतिविधियों की पहचान को सुव्यवस्थित करेगा और समुद्री कानून के तहत सख्त कार्रवाई की सुविधा प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, तटीय पुलिस विभाग के समन्वय में, ड्रोन तटीय निगरानी को बढ़ाएंगे और पूरे राज्य में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेंगे। आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट बिजनेस डेवलपमेंट, विशाल सक्सेना ने भी इस सहयोग पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमें इस अभूतपूर्व पहल का नेतृत्व करने पर गर्व है, जो मत्स्य प्रबंधन में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने में स्वदेशी ड्रोन प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता को उजागर करता है। यह साझेदारी न

कानपुर में लावारिस शवों को कंधा अभियान के अन्तिम दिन शामिल हुई सैकड़ों बौद्ध महिलायें

कानपुर। जिनका कोई नहीं होता ,उनका इंसान के रूप में ईश्वर ,अल्लाह और गॉड ही होता है। यह कथन लागू होता है, उन लोगों के संदर्भ में दुनिया को अलविदा कहने के समय जिनके साथ उनके लावारिश शव का अंतिम संस्कार करने के लिए कोई नहीं होता, लेकिन फिर भी ईश्वर ,अल्लाह और गॉड इंसान के रूप में उनके लावारिस शव का अंतिम संस्कार अवश्य कराते हैं।

यहां बात हो रही है ,कानपुर की उस समाज कल्याण सेवा समिति की जो अबतक 16000 से ज्यादा लावारिस लाशों का संस्कार मरने वाले व्यक्ति के संबंधित धर्म के अनुरूप कर चुकी है। इसी संस्था ने कानपुर में लावारिश शवों के पांच दिवसीय कन्धा दान का अभियान भी चलाया, जिसके अन्तिम दिन इसमें बड़ी संख्या में बौद्ध समुदाय की सैकड़ों महिलाएं भी शामिल हुईं। उन्होंने इन लावारिशों को कंधा देने के साथ ही उनके बिछड़े दुखी परिजनों के आत्म शान्ति के लिये तथागत गौतम बुद्ध व ईश्वर से प्रार्थना भी की। इस कन्धा दानियों में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और शवों पर फूलों की वर्षा भी की, जिससे पोस्ट मार्टम से एक किलोमीटर की दूरी तक सड़क फूलों से पटी रही।

इस शव यात्रा में हे मानव तू मुख से बोल बुद्धम शरणम गच्छामि धम्मम शरणम गच्छामि संघम शरणम गच्छामि का उच्चारण करते हुए शव यात्रा को अन्तिम विदाई दी गयी। महिलाओं द्वारा दिये जा रहे कन्धादान अभियान में एक दूसरे से कन्धा बदलते नजर आयीं। इस मौके पर शव यात्रा में शामिल लोगों को सम्बोधित करते हुए समिति के सचिव धनीराम पैंथर ने कहा कि सभी धर्मो के लोग इस मुहिम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे है। विगत 15 वर्षों से हम गंगा को प्रदूषण से बचा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में 16000 लावारिश शवों का ससम्मान अन्तिम संस्कार करा चुके हैं। जिससे गंगा को प्रदूषित होने से बचाने में भी सफलता मिली।

इस मौके पर मनीषा पैंथर,अनीता जैसवार, आरती राव, कुं आरती राव, सीमा संखवार, पिंकी चंडा, सरोज गौतम, शालिनी गौतम, कांति, बबली गौतम, रुक्मणी, सुधा गौतम, रेखा, नीलू खन्ना, फूलमती, सर्वेश कुमारी, निशा, राजू देवी, फूल दुलारी, शीला देवी, गुड़िया सहित आदि महिलाए मौजूद रही।

तर्पण फाउंडेशन द्वारा चौथा 'तर्पण युवा पुरस्कार 2025' का आयोजन

ठाणे/नवी मुंबई। तर्पण फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला 'तर्पण युवा पुरस्कार 2025' समारोह सोमवार, 13 जनवरी, 2025 को शाम 6 बजे पाटकर हॉल, श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरे महिला विश्वविद्यालय (एसएनडीटी), चर्चगेट, मुंबई में आयोजित किया जाएगा। तर्पण फाउंडेशन हर साल दो पुरस्कार देता है। एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व जिन्होंने अनाथों के क्षेत्र में महान कार्य किया है। दूसरा पुरस्कार अनाथ बच्चों के लिए काम करने वाले एक संगठन को सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष, तर्पण फाउंडेशन पहली बार तीसरा पुरस्कार दे रहा है, जिसके तहत अलग संवेदनशीलता के साथ काम करने वाले व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में चंद्रकांतदादा पाटिल (मंत्री, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, महाराष्ट्र राज्य) उपस्थित रहेंगे। तथा विशेष अतिथि के रूप में अदिती तटकरे (मंत्री, महिला एवं बाल विकास, महाराष्ट्र राज्य) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस समारोह में डॉ. उज्ज्वला चक्रदेव, डॉ. हुजेफा खोरेकीवाला, कृष्णकुमार गोयल और नित्यानंद चरण दास जैसे विशिष्ट अतिथियों का इस अवसर पर सम्मान किया जाएगा। यह पुरस्कार तर्पण फाउंडेशन द्वारा उत्कृष्ट युवा योगदानकताओं को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है। इस वर्ष का समारोह समाज के लिए प्रेरणादायी होगा, ऐसा विश्वास संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक विधायक श्रीकांत भारतीय ने विश्वास व्यक्त किया है। यह पुरस्कार समारोह युवा पीढ़ी को उनकी उपलब्धियों के लिए मान्यता देने और प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया जाता है। आयोजकों ने मुंबई के नागरिकों और छात्रों से बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

कैलिफोर्निया में आग से सब तरफ तबाही

वहीं इस भयंकर आग के चलते 3 दिन में अब तक 28 हजार एकड़ से ज्यादा का इलाका जलकर खाक हो चुका है और आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। इस आग से अब तक 52 से 57 अरब डॉलर का नुकसान भी हो चुका है। भीषण आग के कारण पेरिस हिल्टन समेत कई स्टार्स के बंगले जलकर खाक हो गए हैं और एक लाख से ज्यादा लोग अपने-अपने घरों छोड़कर चले गए हैं। इस आग चलते अब हॉलीवुड हिल्स पर अमेरिकी फिल्म इंडस्ट्री की पहचान हॉलीवुड बोर्ड के जलने का खतरा बन चुका है। यहां बहती तेज हवाओं के चलते आग ने फायरनाडो यानी फायर और टारनेडो का रूप ले लिया है, जिस तरह टोरनेडो में हवा का गुबार बनता है ठीक उसी तरह यहां भी आग की लपटें आसमान छूती नजर आ रही हैं। जानकारी दें कि इस भयंकर आग में कई हॉलीवुड स्टार्स जैसे बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर और पेरिस हिल्टन समेत विभिन्न हस्तियों के मकान जलकर राख हो गए। कैलिफोर्निया के दमकलकर्मी तेज हवाओं के कारण इलाके में दूर-दूर तक फैल रही आग को बुझाने में जुटे हुए हैं, जिसकी वजह से कई मकान तबाह हो गए हैं और सड़कें जाम हो गई हैं। हजारों लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। इस बाबत क्रिस्टल और उनकी पत्नी जेनिस ने बुधवार को एक बयान जारी करके बताया कि पेसिफिक पेलिसेड्स के पास उनका 45 वर्ष पुराना घर बर्बाद हो चुका है।

कराड पर किसका आशीर्वाद...

वहीं हमारे विधायक जितेन्द्र आव्हाड और संदीप क्षीरसागर ने विधानसभा में सवाल उठाया लेकिन केंद्र व राज्य की बीजेपी सरकार ने कराड के खिलाफ ईडी की कार्रवाई नहीं होने के बारे में कोई जवाब नहीं दिया। बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में राज्य सरकार के मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग हो रही है। इस मांग पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दो टूक कहा कि अगर आपके पास इसके सबूत है तो कोर्ट को दीजिए, सीआईडी को दीजिए, एसआईटी को दीजिए। लेकिन बिना सबूत के आरोप लगाना कितना उचित है। इस तरह से अजित पवार ने आरोप लगाने वालों पर निशाना साधा है। वह पुणे में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

इंडिया गठबंधन का नहीं रहा वजूद...

कांग्रेस को छोड़ने का कारण बताते हुए इंडिया गठबंधन इंडिया गठबंधन पर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत का कहना है, हमने लोकसभा चुनाव साथ लड़ा था और नतीजे भी अच्छे आए थे। उसके बाद हम सबकी, खास तौर पर कांग्रेस की जिम्मेदारी थी कि इंडिया गठबंधन को जिंदा रखें, साथ बैठें और आगे का रास्ता दिखाएं।

विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस के रवैये को लेकर बेचैनी

जम्मू कश्मीर विस चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस के साथ कांग्रेस गठबंधन तो दिल्ली में आप के साथ क्यों नहीं?

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

इंडिया गठबंधन में मची रार पर जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने फाइनल चोट मारी है। उन्होंने विपक्षी दलों के बीच मची आपसी खींचातानी और गठबंधन की रीतिनीति में कुछ भी स्पष्ट न होने की वजह से इंडिया गठबंधन को खत्म करने की सलाह दे दी है। उमर अब्दुल्ला नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष हैं। नेशनल कांफ्रेंस विपक्षी गठबंधन का एक सत्ताधारी घटक दल है। कांग्रेस के साथ मिलकर राज्य में सरकार चला रहे हैं। उनके बयान को कांग्रेस पार्टी ने भी गंभीरता से लिया है।

सुलगते सवालों के बीच अब्दुल्ला ने इंडिया गठबंधन खत्म करने की दी सलाह

- इंडिया गठबंधन की न कभी बैठक होती है, न नेतृत्व का पता
- गठबंधन चलाने की मर्यादा का पालन नहीं हो रहा
- साथी दलों के बीच एक बेचैनी बढ़ती जा रही

दिल्ली में एकराय नहीं, तो गठबंधन आकार नहीं ले सका: कांग्रेस

दिल्ली चुनाव में जिस तरह से सपा, तृणमूल, उद्धव की शिवसेना का स्पष्ट सपोर्ट आम आदमी पार्टी को मिला उससे कांग्रेस पार्टी विपक्षी गठबंधन में अलगथलग पड़ती नजर आ रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अब भी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहते हैं कि इंडिया गठबंधन का प्रारूप लोकसभा चुनाव के लिए था। दिल्ली में चूंकि विधानसभा चुनाव है इसीलिए कांग्रेस पार्टी अपनी खोई विरासत पाने को संघर्ष कर रही है। जब ऐसी ही बात है तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस के साथ कैसे गठबंधन जारी रहा? इस सवाल के जवाब में नेताओं का कहना है कि जम्मू कश्मीर चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस दोनों के नेताओं के बीच इस बात को लेकर एकमत बना कि उचित गठबंधन होना चाहिए, तो गठबंधन हुआ। दिल्ली में एकराय नहीं बन पाई तो गठबंधन आकार नहीं ले सका।

सभी दल साथ क्यों नहीं?

यही सवाल तो इंडिया गठबंधन के भीतर से उठ रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा में संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने हरिभूमि से कहा, हरियाणा में चूंकि कांग्रेस खुद को मजबूत मान रही थी तो आम आदमी पार्टी के चाहते हुए भी गठबंधन नहीं किया, मगर जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस मजबूत थी तो वहां गठबंधन कर लिया। तो उसी फार्मूले पर दिल्ली में भी कांग्रेस, आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन होना चाहिए था। उन्होंने कहा सवाल ये है कि कांग्रेस पार्टी अगर दिल्ली में भाजपा को हराने का मंसूबे के साथ चुनावी मैदान में है तो साथी दलों के साथ मिल बैठकर रणनीति को अंतिम रूप क्यों नहीं दिया?

गठबंधन को 'डिसोल्व' कर देना चाहिए!

यही सवाल जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उठा रहे हैं। उनका कहना है कि इंडिया गठबंधन की न कभी बैठक होती है, न साथी दलों के आपसी संवाद है। विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व कौन कर रहा है, इस सवाल का जवाब अभी भी हवा में है। ऐसे हवा में गठबंधन कैसे चल सकता है, इसे 'डिसोल्व' कर देना चाहिए! उमर अब्दुल्ला ने माना है कि कांग्रेस पार्टी का नेता लोकसभा में विपक्षी दल का नेता है। राज्यसभा में विपक्ष का नेता है। लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। समूचे देश में पार्टी का फैलाव है। अन्य विपक्षी दलों की तुलना में निश्चित रूप से कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ा दल है लेकिन गठबंधन चलाने की अपनी मर्यादा होती है, उसका पालन नहीं हो रहा है। यही वजह है कि साथी दलों के बीच एक बेचैनी है जो चुनाव दर चुनाव बढ़ती जा रही है।

प्रवासी भारतीय दिवस: दो दिवसीय आयोजन

विकसित भारत के लिए प्रवासियों के योगदान के साथ दिख रही नए भारत की साफ झलक

- दुनियाभर में फैले प्रवासी भारतीयों से कनेक्ट करने का मौका मिला
- सम्मेलन में पहुंचे 5000 प्रवासी भारतीय

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8 से 10 जनवरी 2025 के बीच भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य प्रवासी समुदाय, विशेषकर युवाओं के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित करना और भारत के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए अवसर तलाशना है। इस वर्ष प्रवासी भारतीय दिवस की थीम थी विकसित भारत के लिए प्रवासियों का योगदान। यह थीम भारतीय प्रवासियों के भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करती है।

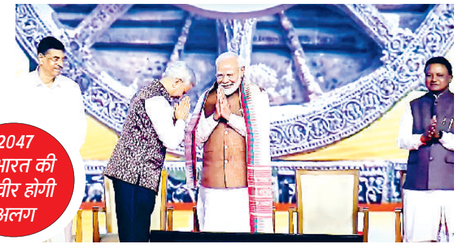

2047 में भारत की तस्वीर होगी अलग

ओडिशा के लिए महत्वपूर्ण है सम्मेलन

दरअसल, पीएम मोदी को मालूम है कि पूर्वी भारत के विकास के बिना विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। इसलिए पहले प्रवासी भारतीय सम्मेलन के 22 साल बाद ही सही पूर्वी हिस्से को दुनियाभर में फैले प्रवासी भारतीयों से कनेक्ट करने का मौका मिला है। ओडिशा की अपनी सांस्कृतिक, धार्मिक और कला की विरासत के अलावा खनिज संपदा और ऐतिहासिक विरासत है। ऐसे में अगर हाईटेक का साथ मिल जाए तो भारत में तेज गति से विकास कर रहे राज्यों की श्रेणी में इसे लाया जा सकता है। ओडिशा में प्रवासी भारतीय दिवस के आयोजन के पीछे एक महत्वपूर्ण वजह ओडिशा की भौगोलिक स्थिति और ओडिशा का दक्षिण पूर्व एशिया से ऐतिहासिक समुद्री जुड़ाव भी है।

नए भारत को देख गर्व कर रहे प्रवासी

भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के दस साल हो चुके हैं। ओडिशा का दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से ऐतिहासिक समुद्री जुड़ाव रहा है। यह इस जुड़ाव को और मजबूत करेगा। ओडिशा में पहुंचे करीब 5000 प्रवासी भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी की भूमिका को विदेशों में अब साफ-साफ महसूस करते हैं। कतर से आई एक प्रवासी भारतीय महिला ने कहा, 'मोदीजी ने गर्व महसूस कराया है। जैसे पहले लोग अमेरिका जाने के लिए तरसते थे अब भारत आने के लिए तरसते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के आने से हमें ज्यादा सम्मान मिलता है निश्चित तौर पर प्रवासी भारतीय सम्मेलन जैसा आयोजन भारत को दुनिया भर में मौजूद अपने लोगों के जरिए दुनिया से जोड़ने में मदद पहुंचाता है।

संबंधों की मजबूती

प्रवासी भारतीय दिवस भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। यह दिन भारतीय प्रवासियों के योगदान को स्वीकार करने और भारत के विकास में उनकी आगीदारी सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा मनाया जाता है।

बजट में ही दिख गया था पूर्वोदय का प्लान

पिछली यानी 2024 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकार के पूर्वोदय प्लान को रेखांकित किया था। उसके तहत पूर्वी क्षेत्र के सांस्कृतिक विरासत को आर्थिक रूप में तब्दील किया जाए। पीएम मोदी ने पूर्वोदय के विचार का पहली बार जिक्र साल 2015 में किया था। जब उन्होंने ओडिशा के पारादीप में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की रिफाइनरी का उद्घाटन किया था। अमेरिका में रहने वाले ओडिशा के प्रवासी भारतीय ने कहा मैं चाहता हूं कि ओडिशा को हाईटेक बनाने में अपना योगदान दूं। ओडिशा में क्षमता बहुत है। धार्मिक पर्यटन की क्षमता और खनिज की क्षमता बहुत ज्यादा है। करीब 20 वर्षों तक नेगलेक्ट रहा ओडिशा। ओडिशा और पूर्वोदय के विकास से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा।

भारत के पूर्वी क्षेत्र का संपूर्ण विकास

प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन पहली बार किसी पूर्वी राज्य में हुआ है। इसका एक सबसे महत्वपूर्ण मकसद केंद्र और मोदी सरकार की पूर्वोदय प्रोजेक्ट के प्रति प्रतिबद्धता को जमीन पर लाना है। पूर्वोदय प्रोजेक्ट से मतलब भारत के पूर्वी क्षेत्र के संपूर्ण विकास से है। इसके तहत ओडिशा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। सम्मेलन के आयोजन से ओडिशा के सांस्कृतिक विरासत को दुनिया में फैले प्रवासी भारतीयों के सामने रखने का मौका मिला है। हालांकि, पूर्वोदय का प्लान ही इसके मुख्य केंद्र में है।

खबर संक्षेप

शिवसेना यूबीटी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद में 12 सदस्यों के मनोनयन का मामला साल 2021 से कोर्ट में अटका हुआ था, जिसपर अब फैसला आ गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के इस फैसले से शिवसेना यूबीटी को झटका लगा है। दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र विधान परिषद में 12 विधायकों की नियुक्ति रोकने दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका पर गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के फैसले के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने सुधारी 30 साल बाद गलती

देहरादून। यहां 30 साल से पहले हुए ट्रिपल मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने अपनी गलती सुधारी। पहले नाबालिग को फांसी की सजा सुनाई और अब 25 साल के बाद उसे जेल से रिहा कर दिया। निचली अदालत ने फांसी की सजा सुनाई, जिस पर सुप्रीम कोर्ट तक ने मुहर लगाई। राष्ट्रपति के पास दया याचिका पहुंची और उन्होंने फांसी की सजा आजीवन कारावास में बदल दी, लेकिन 25 साल जेल की सजा काटने के बाद अब पता चला है कि अपराध के समय हत्यारा नाबालिग था।

तिरुपति भगदड़ मामले में सीएम नायडू ने की कार्रवाई

2 अफसर सस्पेंड, 3 का ट्रांसफर घटना की न्यायिक जांच के आदेश

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को तिरुपति में हुई भगदड़ की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 40 लोग घायल हो गए थे। नायडू ने श्रद्धालुओं की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि श्रद्धालुओं को परेशानी मुक्त वैकुंठ द्वार दर्शन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे। दुर्घटना स्थल का दौरा करने तथा एसवीआईएमएस और पद्मावती अस्पताल में उपचाराधीन घायलों से मिलने के बाद नायडू ने कहा कि डीएसपी रमण कुमार और गोशाला के निदेशक हरिनाथ रेड्डी को निलंबित कर दिया है। एसपी सुब्बारायडू, जेईओ गौतम और सीएसओ श्रीधर का तबादला किया जा रहा है।

मृतकों के परिवारजनों को 25 लाख की सहायता

सीएम ने घोषणा की कि मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपए दिए जाएंगे। मृतक परिवार के सदस्य के एक व्यक्ति को अनुकंपा पर नौकरी दी जाएगी। सीएम ने कहा कि भगदड़ में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को पांच-पांच लाख रुपए दिए जाएंगे और उनके इलाज का खर्च सरकार उठाएगी। उन्होंने कहा कि इस घटना में 33 अन्य लोग घायल हुए हैं और उन्हें दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

सरकारी खनन कंपनियां घने वनों को काटकर निकाल सकेंगी कोयला

बदले में दोगुने क्षेत्र का करना होगा वनीकरण पर सवाल ये कि इतनी भूमि है कहां ?

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

40 फीसदी से कम वनों के घनत्व पर वनीकरण का होगा उपयोग

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार की संस्थाएं और बड़ी परियोजनाओं को लागू करने वाली राज्य संचालित कंपनियों के कैप्टिव कोयला ब्लॉक, जिनके लिए वन भूमि के डायवर्जन की आवश्यकता होती है, वे उजड़े वन भूमि पर मुआवजा के रूप में वनीकरण कर खनन का कार्य कर सकते हैं। मंत्रालय के नये निर्देश से राजकीय खनन कंपनियों के लिए काम करना आसान हो जाएगा, मगर क्या जितने कटान होंगे उसके दोगुने कटान के लिए उतने क्षेत्रफल में गैर हरित वन भूमि उपलब्ध है? वैसे विशेषज्ञों ने बताया है कि खराब वन भूमि पर वृक्षारोपण करने से वनों के नुकसान की भरपाई नहीं हो सकती। दिसंबर में जारी भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2023 के प्रमुख निष्कर्षों के अनुसार देश का हरित आवरण बढ़ सकता है। लेकिन अध्ययन वनों के घड़े मूलाग के क्षरण, वृक्षारोपण में वृद्धि और तथाकथित अवर्गीकृत वनों की स्थिति में स्पष्टता की कमी की ओर भी इशारा करता है, ये सभी जैव विविधता पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं। वनों पर निर्भर लोगों के लिए अधिक पैदा हो सकते हैं। पारिस्थितिकीय तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव से भी विशेषज्ञ इनकार नहीं कर रहे। मंत्रालय के एपटीकरण के अनुसार, अवकर्गित वन भूमि जहां वनों का घनत्व 40 फीसदी से कम है, अब वनीकरण के लिए उपयोग किया जा सकता है। निम्नीकृत वन भूमि पर वनीकरण, जिसमें वनप्जीवों के लिए प्राकृतिक या प्रवेशित घास भूमि नहीं है, यानी चारागाह नहीं हो ऐसे दोगुने जगह का वनीकरण करना है। प्रतिपूरक वनरोपण के लिए चिन्हित तैर वन भूमि को संरक्षित वन के रूप में अधिसूचित नहीं किया जाना चाहिए, जब तक कि केंद्र सरकार द्वारा अंतिम मंजूरी नहीं दी जाती।

छत्तीसगढ़ के घने जंगलों में आवंटित किये गये कोल ब्लॉक्स का उत्खनन सुनिश्चित हो सकेगा। इसके लिए वनों का कटान हुआ तो कानूनी संरक्षण ये है कि गैर वन्यभूमि में कटान से दोगुना वृक्षारोपण करना होगा। ये फार्मूला पहले से चले आ रहा है, कितना कारगर है सभी जानते हैं। विशेषज्ञों का भी मानना है कि प्राकतिक वनों को खत्म कर वनों का दूसरा स्वरूप नहीं खड़ा किया जा सकता। वन में रहने वाले जीवजंतु सहित पर्यावरण असंतुलन का बडा कारण बन सकता है। बायोडाइवर्सिटी को नुकसान हो सकता है। इन सब सवालों से इतर केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने राज्य के स्वामित्व वाली ऐसी कंपनियां जिन्हें लंबी बुनियादी ढांचा परियोजना यानी विकास के इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना के लिए कोयला उत्खनन करना है उनके लिए अनिवार्य प्रतिपूरक वनीकरण लक्ष्यों को पूरा करना आसान बना दिया है। जिसका उद्देश्य बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर करना है। खनन के लिए आवश्यकतानुसार वनों के कटान की आवश्यकता होती है।

महाकुंभ मेला में बने पैंटून पुल, मार्ग, अस्थायी स्टील पुल, सब-स्टेशन

निर्माण कार्यों के लिए सेल ने की 45 हजार टन स्टील की आपूर्ति

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

महारत्न और देश की सबसे बड़ी स्टील बनाने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने प्रयागराज में आयोजित होने वाले आगामी महाकुंभ मेला 2025 के लिए लगभग 45,000 टन स्टील की आपूर्ति की है। आपूर्ति की गई स्टील की कुल मात्रा में चेकर्ड प्लेट, हॉट स्ट्रिप, मिल प्लेट, माइल्ड स्टील प्लेट, एंगल और जॉइस्ट शामिल हैं। केंद्रीय इस्पात मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया है कि इससे पहले भी सेल ने 2013 के महाकुंभ मेले के दौरान स्टील की आपूर्ति की थी, जो इस उल्लेखनीय सार्वजनिक आयोजन के लिए कंपनी के निरंतर समर्थन को दर्शाता है।

योगदान करने पर गर्व

सेल ने कहा है कि उसे इस आयोजन के लिए स्टील का योगदान करने पर गर्व है, जो देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। कंपनी परियोजनाओं में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो देश के बुनियादी ढांचे को बढ़ाती हैं और इसकी सांस्कृतिक और सामाजिक भलाई को बढ़ावा देती हैं।

आपूर्ति में चेकर्ड प्लेट, हॉट स्ट्रिप, मिल प्लेट, एंगल शामिल

अस्थायी संरचनाओं का निर्माण होगा: सेल द्वारा सप्लाई किया गया स्टील महाकुंभ मेला 2025 के सुचारू और सफल संचालन के लिए आवश्यक विभिन्न अस्थायी संरचनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इनमें पैंटून पुल, मार्ग, अस्थायी स्टील पुल, सब-स्टेशन और पलाईओवर शामिल हैं। इस स्टील आपूर्ति के प्रमुख ग्राहकों में लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम, बिजली बोर्ड और उनके आपूर्तिकर्ता शामिल हैं।

महाकुंभ में दिखेगी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

महाकुंभ नगर (उप्र)। महाकुंभ 2025 में भाग लेने वाले दुखिया मर के 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु 'स्वच्छ सुजल गांव' अवधारणा के माध्यम से यूपी के गांवों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखेंगे। इस गांव का दर्शन 10 जनवरी से 26 फरवरी तक होगा। 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान विषय पर आधारित यह गांव 40 हजार वर्ग फीट इलाके में बसेगा। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में पीएम मोदी के मार्गदर्शन एवं योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। इस गांव में 47 दिन तक अलग-अलग कार्यक्रम भी होंगे।

उत्तराखंड के सीएम धामी बोले

इसी माह लागू होगा समान नागरिक संहिता कानून

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

उत्तराखंड जनकल्याण समिति की ओर से आयोजित उत्तरायणी मेले में शामिल हुए उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी ने कहा है कि बाबा साहब ने संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिकता कानून का प्रावधान किया था। ताकि प्रदेश और देश ने समान नागरिक कानून संहिता लागू हो। इसका विधेयक उत्तराखंड में तैयार हो गया है और इसी माह यह लागू करने का प्रयास है। देवभूमि से पवित्र नदियों की भांति प्रवाहित होकर यह संहिता देश भर में अपनी पहचान बनाएगा, इसी उम्मीद है।

सीएम धामी ने कहा कि राज्य में लैंड जेहाद बड़ी समस्या थी इसपर अंकुश के लिए कानून के तहत पांच हजार एकड़ जमीन कब्जामुक्त कराई। वहीं, थूक जेहाद पर कार्रवाई का नियम बनाया। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़ी तादाद में लालच देकर धर्मांतरण हो रहा था। इस पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए धर्मांतरण रोधी कानून बनाया।

शादीशुदा प्रेमिका को दिखाया पति का लाइव मर्डर

चित्रकूट। सात दिन पहले रेल पटरी पर मिले शव की शिनाख्त हो गई। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि पत्नी ने प्रेमी से पति की हत्या कराई थी। इतना ही नहीं उसने प्रेमिका को वीडियो कॉल कर लाइव मर्डर दिखाया था। हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव रेल पटरी पर डाल दिया। पुलिस ने पत्नी और प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। इनके कब्जे से तीन मोबाइल, हत्या में प्रयुक्त पत्थर और बाइक बरामद की है। एक जनवरी की रात भरतकूप थाना क्षेत्र के पतौडा रेल लाइन पर युवक का शव मिला था। दो स्थान से शव कटा होने पर प्रथम दृष्टया खुदकुशी माना गया, लेकिन शिनाख्त नहीं हुई थी। बाद में शव की शिनाख्त बांदा जिले के बिसंडा थाना क्षेत्र के चौसड़ निवासी रामकृष्ण के रूप में हुई। पिता रामरतन ने भरतकूप थाने में तहरीर दी कि बहू सुनैना और उसके प्रेमी उदयपुर नकटा हड़हा निवासी विनोद यादव ने हत्या की है। बुधवार को अपर एसपी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि एसओजी व थाना पुलिस टीम ने जांच के दौरान पाया कि हत्या कर शव फेंका है। मंगलवार की देर शाम को बाइक से रसिन बांध की ओर जाते समय पुलिस टीम ने शक होने पर विनोद को पकड़ लिया। बिना नंबर की बाइक व तीन मोबाइल बरामद हुए। इनमें एक मोबाइल मृतक रामकृष्ण का था। पूछताछ और इनके मोबाइल से मिली जानकारी के अनुसार सुनैना के पति रामकृष्ण की जड़ी बूटी की दुकान है। घर के बगल में विनोद का आना जाना था। रामकृष्ण से भी विनोद की बोलचाल थी। सुनैना और विनोद में प्रेम हो गया। साजिश के तहत विनोद ने फोन कर नए साल की पार्टी के बहाने रामकृष्ण को बुलाया। भरतकूप के पतौडा रेल पटरी किनारे बैठकर शराब पी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शहीद दादा साहब अमीरुद्दीन गौरव अवार्ड 2024 दूसरा सीजन मुंबई के अंधेरी में सफलता पूर्वक हुआ सम्पूर्ण

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। शहीद दादा साहब अमीरुद्दीन गौरव अवार्ड 2024 दूसरा सीजन मुंबई के अंधेरी में सफलता पूर्वक सम्पूर्ण हुआ जिसके ऑर्गनाइजर सिनेमा डायरेक्टर अजहर हुसैन हैं। रेडएसिड फिल्म्स द्वारा इस प्रेजेंट किया गया इस अवॉर्ड फंक्शन में बॉलीवुड से कई कलाकार शामिल हुए जिनको शहीद दादा साहब अमीरुद्दीन गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया और उन्हें अपना भारत के प्रति सबसे बड़ा आजादी की लड़ाई में योगदान के बारे में बताया, इवेंट में आए गेस्ट कॉमेडियन सुनील पाल, एक्टर रमेश गोयल, लेजेंड म्यूजिक डायरेक्टर दिलीप सेन, एक्टर गगन गुप्ता, एक्टर सूफियान कपाड़िया, एक्टर राजकुमार कनौजिया, एक्टर असगर अली खान, एक्टर सुरेन्द्र सुरेंदर ठाकुर, प्रोड्यूसर अभीर खान, एक्टर पार्था अकेरकर, रशियन एक्ट्रेस एलेना टुटेजा, अरबाज शेख, ताहिर कमाल खान, प्रोड्यूसर जीत कपूर, ज़िया शेख, एक्टर तारीख मोहम्मद और इवेंट के सहयोगी युवराज दुबे रहे जो कि बॉलीवुड में एक्टर हैं। शहिद दादा साहेब अमीरुद्दीन हिंदुस्तान के एक वीर क्रांतिकारी थे, क्रांतिकारी मौलवी साहब जाफिरुद्दीन और बीबी अमानी खातून के बेटे थे, 1919 में जब पूरा हिंदुस्तान दमनकारी रौलेट एक्ट के खिलाफ आक्रोश में था तब दादा साहब अमीरुद्दीन ने आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका निभाई थी। जिसके लिए दादा साहब अमीरुद्दीन के बेटे स्वतंत्रता सेनानी शमसुद्दीन को मोहम्मद अली जिन्ना ने 1912 में ऑल इंडिया मुस्लिम लीग पार्टी का जहानाबाद से कमांडर नियुक्त किया था जो कि हिंदुस्तान के आजादी के बाद अब पाकिस्तान में मुस्लिम लीग पार्टी के नाम से जाना जाता है, शहीद दादा साहब अमीरुद्दीन भारत की आजादी के लिए अथक प्रयास दुखद रूप से समाप्त हो गया। जब 30 दिसंबर 1919 को ब्रिटिश सैनिक के गोलियों का शिकार हो गए। शहीद दादा साहब अमीरुद्दीन के दादा उत्तर प्रदेश

मुरादाबाद के रहने वाले मौलाना नन्हा शाह एक बहुत बड़े ब्रिटिश राज में क्रांतिकारी थे जिन्हें ने उनके साथी वीर कुंवर सिंह, जुल्फिकार अली खान, शहीद पीर अली के साथ कई साथी गण ने मगध भारत जाकर आजादी की जंग लड़ी और मगध भारत में पटना सुल्तानगंज में ही बस गए जहां उनका बेटा पैदा हुआ जो कि बड़े होकर एक अच्छे साबित कदम क्रांतिकारी बने जिनका नाम प्रचालित है क्रांतिकारी मौलवी जफिरुद्दीन के नाम से जो कि देश के आजादी में क्रांति के मुहिम में जुड़ गए, मौलाना जफिरुद्दीन के दोस्त जहानाबाद के एक दरगाह के खादिम थे जिनके इंतेकाल के बाद मौलाना जफिरुद्दीन दरगाह के खादिम रहे दरगाह सैयद सैलानी बाबा के नाम से प्रचलित है। क्रांतिकारी मौलाना जफिरुद्दीन जहानाबाद में बस गए और उनका परिवार भी वही रहने लगा। फिर एक जबरदस्त आंधी ने बिहार का ब्रिटिश राज में शेर जैसा जिगर वाला अमीरुद्दीन को जन्म दिया जिसने मगध भारत के पाटलिपुत्रा और जहानाबाद से पूरे देश की आजादी के लिए अपने शरीर को खून से तार तार किया और कई ब्रिटिश सैनिक और हिंदुस्तान के खिलाफ कदम उठाने वाले ब्रिटिश सरकार को खत्म किया, उनका एक मशहूर नारा (आंधी आई भागो अंग्रेज, लटक छोड़ो खटके खाओ) दादा साहब अमीरुद्दीन जब शहीद हुए ब्रिटिश सरकार के सैनिकों द्वारा गोली लगने पे, तब पूरा जहानाबाद और मगध भारत सुन पढ़ गया था। क्योंकि शेर दिल जाबांज दादा साहब अमीरुद्दीन शहीद हो गए। जहानाबाद और पूरे मगध भारत में क्रांतिकारियों का आक्रोश तेजी से बढ़ा। जिसके बाद शहीद दादा साहब अमीरुद्दीन के बेटे स्वतंत्रता सेनानी शमशुद्दीन ने नेता सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल के साथ महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के नियुक्त में उनके साथ कई आंदोलन में भाग लिया, जिसके वजह से क्रांतिकारी मोहम्मद शमसुद्दीन के बेटे क्रांतिकारी मोहम्मद गुलाम रसूल को ब्रिटिश सरकार ने कानूनी हिरासत में ले लिया जेल भेज दिए गए जेल में सजा के तौर पे लोहे के सरियों से पीठ पे दागा जाता था और क्रांतिकारी मोहम्मद शमसुद्दीन को और उनके साथी को इस मुहिम से हटाने के लिए सन्देश भेजा जाता था सजा के तौर पे मोहम्मद गुलाम रसूल को कमजोर करने की सारी नाकाम कोशिश कर चुके ब्रिटिश सरकार से जमानत 6 महीने बाद करवा लिया गया, फिर मोहम्मद गुलाम रसूल और उनके साथी खैरू मिया और डोमन मिया ने मगध भारत में गांधी जी के साथ कई क्रांतिकारियों का देश के आजादी के लड़ाई में साथ दिया, 15 अगस्त 1947 में देश को आजादी मिली हिंदुस्तान में जश्न आजादी मनाई गई। देश के पहले राष्ट्रपती बिहार के डॉक्टर राजेंदर प्रसाद बने और पहले प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु बने। 7वि पीढी महान पोते सरफराज अहमद जो कि पेशे से लेखक और निर्देशक हैं सिनेमा जगत में और 8वि पीढी महान पोते सिनेमा डायरेक्टर अजहर हुसैन द्वारा ईस ऐतिहासिक खोज का उद्देश्य जाहिर करना और बहादुर क्रांतिकारी शहीद दादा साहब अमीरुद्दीन और उनके सभी खानदान के क्रांतिकारियों का देश को आजादी दिलाने वाले सभी पीढ़ियों का सम्मान करना और भारत की आजादी की लड़ाई में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है।

एक घर के पांच सदस्य ने देश की आजादी में अपनी जान नहीं गंवाई बल्कि एक के बाद एक पीढ़ी ने देश के लिए अपना योगदान दिया जिसमें क्रांतिकारी मौलाना जफरुद्दीन के बेटे क्रांतिकारी दादा साहब के नाम से प्रचलित अमीरुद्दीन शहीद हुए और उनके पीढ़ियों ने भारत में एक क्रांतिकारी और समाज सेवक के तौर पे हिंदुस्तान में अपनी भूमिका निभाई जिसमें सबसे अहम भूमिका क्रांतिकारी मोहम्मद गुलाम रसूल के पोते और मोहम्मद इमामुद्दीन के बड़े बेटे मोहम्मद अनवर हुसैन ने पूरे पटना और जहानाबाद में समाजिक कार्यों को तेजी से फैलाया और पटना के जाने माने पॉलिटिशियन भी रहे शहीद दादा साहब अमीरुद्दीन के परिवार से ब्रिटिश राज में लग भग 300 से भी ज्यादा लोगों की हत्या कर दिया गया था 5 पीढी ने देश की आजादी में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया जिसके लिया ये कुबार्नी कभी नहीं भूली जाएगी।

बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे तेजस्वी यादव : आरिफ जिलानी अंबर साहब

मधुबनी। बिस्फी प्रखंड अंतर्गत जगवन पूर्वी पंचायत के बरदाहा में युवा नेता आरिफ जिलानी अंबर साहब के अध्यक्षता एवं प्रदेश महासचिव शिक्षक प्रकोष्ठ प्रो इशितयाक अहमद के संचालन सहित युवा राजद जिला अध्यक्ष इंद्रभूषण यादव राजद के वरिष्ठ नेता मनोज यादव शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव शिवेश्वर प्रसाद सिंह यादव जिला अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ शंभु प्रसाद यादव, जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय के उपस्थिति में सदस्यता अभियान को सफल बनाने को लेकर बैठक का आयोजन किया गया बैठक को संबोधित

करते हुए युवा नेता आरिफ जिलानी अंबर ने कहा कि किसी भी दल को आगे बढ़ाने के लिए कार्यकर्ताओं का सजग रहना बहुत जरूरी है। जब तक कार्यकर्ता सजग नहीं रहेगा उस पार्टी का विकास कभी भी संभव नहीं है उन्होंने कहा कि राजद ही एक ऐसा दल है जो हमेशा कार्यकर्ताओं का सम्मान के साथ-साथ सबकी भागीदारी भी दे रहा है। चाहे किसी भी जाति धर्म का कार्यकर्ता हो राजद में सबका सम्मान होता है राजद के वरिष्ठ नेता मनोज यादव ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ होता है जो हमेशा पार्टी के झंडा को बुलंद करने का कार्य करता है उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी आलाकमान के द्वारा आयोजित सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए निर्धारित समय के पूर्व ही लक्ष्य को पूरा करने की अपील की इस अवसर पर पूर्व उप प्रमुख मो. चांद उस्मानी, अशोक यादव, बेचन यादव, पंकज यादव, मो. जुल्फेकार अहमद, अजीत कुमार मंडल, पूर्व उप प्रमुख मो.मोहिद्दीन, आफताब अहमद, फिरोज अहमद बबलू, हसन रजा, इफ्तेखार अहमद निशु,मो. इम्तियाज, शहाबुद्दीन सरपंच, मो. सालेहीन, मो.निर हुसैन जैद, ऐजाज अहमद, गोलू कुमार, मुकेश साह, सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

फातिमा शेख के जीवन को बताया धन्य धन्य, जयंति पर किया देश के प्रबुद्ध जन द्वारा नमन

जोधपुर। महिलाओं के लिऐ देश मे सबसे पहले स्कूल खोलने वाली फातिमा शेख के जन्मोत्सव पर देश के प्रबुद्ध जन, जन जन ने उनके जीवन को धन्य बताते हूऐ फातिमा शेख को महान शिक्षिका व समाज सेविका बताया। भारतीय दलित साहित्य अकादमी चितोडगढ के जिलाध्यक्ष मदन सालवी ओजस्वी लिखते है कि 9 जनवरी 1831 को पूणे में फातिमा शेख का जन्म हूआ। ज्योति राव फूले, व सावित्रीबाई फूले के साथ मिलकर फातिमा शेख ने अपने घर मे महिलाओ के लिए अपना पहला स्कूल खोला, पूरी जिन्दगी फातिमा शेख एक शिक्षिका व सामाजिक कार्यकर्ता के रूप मे काम करते रही। ओजस्वी बताते हे कि वे शिक्षा के महत्व को समझ चुके थे, परन्तु इस काम के लिऐ उन्होने पग पग पर अपमानित अनादर तथा विरोध सहना पडा । वे घबराकर पीछे नही हटे। महिला शिक्षा व उत्थान के लिऐ काम करने पर फूले दम्पति को उनके पिता ने घर से निकाल दिया। तब फातिमा शेख व उनके भाई उस्मान

शेख ने ही फूले दम्पति को अपने घर मे जगह दी। तथा अहम सहयोग देते रहे। हम किसी से कम नही, आत्मविश्वास कायम करें। जाति प्रथा के घातक प्रभाव, के कारण भारत को गुलामी अंधकार तथा पराजय का जीवन जीना पडा। आज भी फातिमा शेख, सावित्रीबाई फूले जेसी जागरूक महिलाओ का सामाजिक क्रान्ति के लिऐ हर जगह होने की जरूरत है। आज देश भर मे फातिमा शेख की जयंती पर जागरूक जन, जन जन उन्हे नमन करते हूए जीवन को धन्य जीवन बता नमन कर रहे है।

मदन सालवी ओजस्वी
स्वतंत्र लेखक
भारतीय मिशन मीडिया भारत

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बालों को कलर कराने से पहले जान लें ये 10 बातें, दोबारा नहीं करेंगे गलती

युवाओं में बालों को रंगने का चलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन कई बार आपका यह शौक चिंता का विषय भी बन सकता है। अमेरिका और यूरोप में बालों में कलर कराने वाले लोगों में कैंसर के लक्षण पाए गए, जिससे यह साफ हुआ कि बालों को रंगना कैंसर का कारण भी बन सकता है। हेयर डाई को कई रसायनों से मिलाकर तैयार किया जाता है, इन रसायनों के संपर्क में आने से कैंसर का खतरा बढ़ता है। एक अध्ययन से यह भी सामने आया कि जिन महिलाओं ने 1980 से पहले हेयर डाई का इस्तेमाल शुरू किया, उन्हें हेयर डाई न लगाने वाली महिलाओं के मुकाबले 30 फीसदी कैंसर होने का खतरा ज्यादा था।

कलर करने के लिए आपको यह पता होना चाहिए कि बालों में कैसा कलर करें, मसलन कौन सा रंग आप पर सूट करेगा या कौन सा रंग आपके बालों के लिए सही रहेगा आदि। इस लेख के जरिए हम आपको दे रहे हैं कुछ ऐसी जानकारी जिससे आप बालों में कलरिंग के नुकसान के बारे में जान सकते हैं।

बालों में कलरिंग के नुकसान

हेयर डाई से ल्युकेमिया या लिम्फोमा होने का खतरा बढ़ता है। साथ ही इसे मूत्राशय कैंसर के खतरे से जोड़ कर भी देखा गया है। डॉक्टरों के मुताबिक गर्भवती महिलाओं का बिना चिकित्सीय सलाह के हेयर डाई का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। हेयर कलर आपकी सेहत के साथ ही नवजात को भी नुकसान पहुंचा सकता है। परमानेंट हेयर कलर कराने के बाद कई बार लोगों में त्वचा संबंधी परेशानियों को देखा गया है। इसलिए आप स्थायी हेयर कलर की बजाय टेम्परेरी कलर कराएं तो बेहतर होगा। बालों को कलर कराते समय यह सुनिश्चित कर लें कि कौन सा कलर आपके बालों के लिए सही रहेगा,

इस मामले में जरा सी लापरवाही आपके अच्छे बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। बालों को कलर करवाने से पहले आपको एलर्जी का भी ध्यान रखना चाहिए, कई बार कुछ कलर या डाई बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे में यदि आपको अमोनियायुक्त डाई सूट न करें तो आप प्रोटीन युक्त डाई का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके लिए आप हेयर एक्सपर्ट या ब्यूटी पार्लर में जाकर परामर्श भी ले सकते हैं। हेयर कलर कराने वालों को कुछ समय बाद त्वचा संबंधी दिक्कतों जैसे बालों की कोमलता में कमी, बाल जल्दी सफेद होना आदि का भी सामना करना पड़ता है। हेयर कलर में मिला अधिक अमोनिया बालों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे आपके सिर से सारे बाल भी गायब हो सकते हैं। बालों को घर पर कलर करने के दौरान ब्रश और हाथों में दस्तानों का प्रयोग जरूर करें और अपनी आखों का खासतौर पर ध्यान रखें। यह आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए पहली बार किसी अनुभवी या प्रोफेशनल व्यक्ति से कलर करवाना चाहिए।

बालों को कलर करने से पहले उन्हें धोकर सुखा लें और बालों को कंघी के एक सिरे से उठाते हुए कलर करें। इससे आपके बालों के टूटने का खतरा कम रहेगा। यदि आपकी दिनचर्या व्यस्त हैं तो आपको हल्का हेयर कलर इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आपके बालों को ज्यादा नुकसान नहीं होगा।

नेचुरल तरीके से करें बालों को कलर

अगर आपको ये लगता है कि कॉफी का प्रयोग का सिर्फ पीने के लिए किया जाता है तो अब इसे भूल जाएं। क्योंकि कॉफी के प्रयोग से आप अपने बालों को नेचुरल ब्राउन शेड भी दे सकते हैं। कैसे? इसके लिए आप मेंहदी में कॉफी डालकर उसका अच्छी तरह पेस्ट बना लें। आप चाहें तो इस पेस्ट में 1 नींबू का रस भी मिला सकती हैं। अब इसे अपने बालों में लगाने के बाद करीब 2 से 3 घंटे सूखने दें। इसके बाद नॉर्मल पानी से बाल धो लें। आप देखेंगे कि आपके बालों में नेचुरल ब्राउन शेड आ रहा है। अगर आपको अपने बालों में नेचुरल और गहरा रेड शेड चाहिए तो आप चुकंदर का प्रयोग निसंकोच कर सकती है। इसके लिए थोड़े से गाजर के रस में कम से कम एक गिलास चुकंदर का रस मिला लें और उसके बाद उस मिश्रण को अपने बालों पर अच्छे से लगा ले। इसे करीब एक से दो घंटे तक रहने दें। जब ये रस बालों में सूखने लगे तो बालों को धो लें।

जिद्दी से जिद्दी ब्लैकहेड्स भी हो जाएंगे दूर जब अपनाएंगे ये असरदार नुस्खे

गर्मियों के मौसम में महिलाओं के चेहरे पर ब्लैकहेड्स की समस्या आम देखने को मिलती है। चेहरे पर पड़े काले दाग महिलाओं की खूबसूरती को खराब कर देते हैं। ब्लैकहेड्स ज्यादातर नाक, ठुड्डी पर निकलते हैं, जो देखने में बहुत ही गंदे लगते हैं। जिन लोगों की स्किन बहुत ज्यादा ऑयली होती है उनको इस मौसम में अक्सर ब्लैकहेड्स हो जाते हैं। इसने छुटकारा पाने के लिए और खोई खूबसूरती को वापिस पाने के लिए महिलाएं नोज स्ट्रिप्स का इस्तेमाल करती हैं। मगर इससे बहुत दर्द होता है। ऐसे में कुछ घरेलू

नुस्खे अपनाकर ब्लैकहेड्स की समस्या को हफ्ते भर में दूर किया जा सकता है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ आसान नुस्खों के बारे में।

1. बेकिंग सोडा

ब्लैकहेड्स को दूर करने के लिए 1 चम्मच बेकिंग सोडे में 2 चम्मच पानी मिलाकर एक पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को ब्लैकहेड्स वाली जगह पर लगाएं। अब इसको सुखने दें। जब बेकिंग सोड़ा पूरा तरह से सुख जाए तो गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। हफ्ते में 2 बार इसका इस्तेमाल करने से ब्लैक हैड्स निकलने लगेंगे।

2. टमाटर

टमाटर में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो ब्लैकहेड्स को खत्म करने के काम आता है। 1 टमाटर लें इसको अच्छे से पीस कर रात को सोने से पहले ब्लैकहेड्स पर लगाएं। रात भर इसको ऐसा ही रहने दें। सुबह उठकर साफ पानी से चेहरे धो लें।

3. नींबू

नींबू ब्लैकहेड्स को खत्म करने के लिए औषधी की तरह काम करता है। 1 कटोरे में नीबू का रस और नमक का मिश्रण बनाएं। इसको अब 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। अब गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। हफ्ते भर इस मिश्रण का उपयोग करने से ब्लैकहैड्स खत्म होने लगेंगे।

4. ग्रीन टी

ग्रीन टी भी ब्लैकहेड्स को खत्म करने में सहायक है। 1 चम्मच ग्रीन की पत्तियां लें। इसमें पानी डालकर एक पैक बनाएं। इस पैक से चेहरे पर 3 मिनट के लिए स्क्रब करें। स्क्रब करने से ब्लैकहेड्स खत्म होने लगते हैं।

5. टूथपेस्ट

टूथपेस्ट को ब्लैकहेड्स वाली जगह पर 25 मिनट लगाने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। टूथपेसट को हफ्ते में 2 बार चेहरे पर लगाने से ब्लैकहेड्स की समस्या दूर होगी।

इस आयुर्वेदिक तेल से करें गंजेपन का इलाज, जानें और भी कई फायदे

आजकल ज्यादातर लोग बीमारियों का इलाज करने के लिए आयुर्वेदिक दवाइयों का ही सहारा लेते हैं। कुछ लोग तो आयुर्वेद चिकित्सा के अनुसार ही खाना खाते है, ताकि वो बीमारियों से बचे रहें। वहीं कुछ लोग आयुर्वेद दवाओं के सेवन से खुद को स्वस्थ रखते हैं। मगर आज हम आपको आयुर्वेद के नियम या दवाइयों के बारे में नहीं बल्कि आयुर्वेदिक तेल के बारे में बताने जा रहे हैं। इन 5 तेल का इस्तेमाल आपकी कई बीमारियों को दूर कर देगा। आइए जानते है किन 5 आयुर्वेदिक तेल की मदद से आप खुद को निरोग और स्वस्थ रख सकते हैं।

1. इरमेदादि तेल

मसूड़ों के रोग, मुंह से दुर्गंध आना, जीभ, तालू और होठों के रोगों के लिए आप इस तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजाना इस तेल से कुल्ला करके आप मुंह के कई बीमारियों को दूर भी रख सकते हैं।

2. महाभृंगराज तेल

गंजेपन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए इस तेल से मालिश करें। 1 महीने तक लगातार इस तेल से मालिश करने पर आपकी बाल झड़ने और गंजेपन की प्रॉब्लम दूर हो जाएगी। इसके अलावा इस तेल का इस्तेमाल आपके बालों को लंबा और घना भी बना देता है।

3. नारायण तेल

लकवा, रीढ़ की हड्डी में दर्द, गठिया रोग, कमर का दर्द दूर करने के लिए आप इस तेल से मालिश करें। दूध में 1-2 बूंद नारायण तेल डालकर पीने से हर्निया, बहरापन, कब्ज, बुखार और दांतों के रोग दूर हो जाते हैं।

4. चंदनबला लाशादि तेल

रोजाना दिन में 2 बार इस तेल से मालिश करने पर शरीर में सूजन की समस्या दूर हो जाती है। इसके अलावा इस तेल का इस्तेमाल श्वसन संबंधी समस्याएं, दांतों में सड़न, खुजली, सूजन, पुराना बुखार और शारीरिक कमजोरी को दूर करता है।

5. काशीसादि तेल

इस तेल का इस्तेमाल बवासीर के रोग में फायदेमंद होता है। इस तेल को रुई में भिगोकर बवासीर पर लगाएं। लगातार इसका इस्तेमाल बवासीर की परेशानी को जड़ से खत्म कर देगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भद्दे कमेंट

सेक्रेड गेम्स एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने करियर के शुरूआती दिनों में अपने टाइपकास्ट किए जाने पर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि एक समय था जब उन्हें अपनी बॉडी को लेकर लोगों से तरह-तरह के कमेंट सुनने पड़ते थे। राधिका ने कहा कि वो अब इस तरह के कमेंट बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करती हैं। अगर अब कोई ऐसा करता है तो वो उसे काम से निकाल देना चाहेंगी। राधिका ने अपने स्ट्रगल के दिनों और फिल्म इंडस्ट्री में उनके साथ हुए अन्याय को याद किया। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं है कि ये इंडस्ट्री सभी अनैतिक लोगों से भरी हुई है। अपने स्ट्रगल पीरियड को याद करते हुए राधिका ने कहा- लोगों की धारणाएं बहुत अजीब होती हैं। फिल्म बदलापुर से पहले लोग यही सोचते थे कि मैं महज गांव की लड़की के कैरेक्टर प्ले कर सकती हूं। बदलापुर के बाद लोगों को लगने लगा कि मैं केवल सेक्स कॉमेडी ही कर सकती हूं। मैं बस कपड़े उतार सकती हूं। यह देखकर मैं रुक गई, मैंने इस तरह के कैरेक्टर्स फिर कभी नहीं किए। राधिका ने आगे कहा- मैंने एक फिल्म खो दी क्योंकि मेरा वजन 3-4 किलो ज्यादा था। जब आप नए होते हैं, तो कई लोग आपसे कहते हैं- आपकी नाक अच्छी क्यों नहीं हो जाती है? आपके ब्रेस्ट बड़े क्यों नहीं हो जाते? बीच-बीच में कुछ लोग आपकी बॉडी पर ऐसे कमेंट करते हैं, जैसे यह उनका अधिकार हो। पिछले कुछ सालों में जागरूकता की वजह से हम इस बारे में खुलकर बात कर सकते हैं।

याद आया बुरा दौर

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही साउथ इंडस्ट्री के खराब दौर को याद किया। मीडिया को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि एक वो दौर था, जब साउथ एक्टर्स को सिनेमा में सम्मान नहीं दिया जाता था। लोग उनके बारे में जानते नहीं थे। वो डिजाइनर्स के बनाए कपड़े नहीं पहन पाते थे। सामंथा से जब साउथ फिल्म इंडस्ट्री के पुराने दौर और आज की सक्सेस पर सवाल किया गया, तो इस पर उन्होंने कहा- यह बिल्कुल खास है। एक समय था जब हम साउथ एक्टर्स डिजाइनर से कपड़े नहीं खरीद सकते थे, क्योंकि वो कहते थे- तुम कौन, साउथ एक्टर? क्या साउथ एक्टर, यह क्या है? समंथा ने मुस्कुराते हुए आगे कहा- हम उस वक्त से अब बहुत दूर आ गए हैं, है ना? यह वाकई काफी शॉकिंग है। हम आखिर में आज वहीं हैं, जहां हमें होना चाहिए था। सामंथा बोलीं- मेरा करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं और मुझे खुशी है कि मैंने खुली किताब बनने का फैसला समय पर कर लिया। इन सभी चीजों ने मुझे आने वाली बुरी घटनाओं के लिए तैयार किया, जो पिछले साल मेरे साथ सबसे ज्यादा हुई। बता दें कि साल 2022 में सामंथा को उनकी बीमारी के बारे में पता चला। वहीं पिछले साल ही एक्टर नागा चैतन्य के साथ उनका तलाक हुआ। ऐसे में उस दौरान उन्होंने बहुत कुछ सहा।

दोबारा शादी के बारे में नहीं सोच रहे ऋतिक

ऋतिक ने यह भी बताया कि पुनर्विवाह पर उनकी राय समय के साथ कैसे बदल सकती है। उन्होंने कहा था, आज, मैं पुनर्विवाह के बारे में नहीं सोच सकता। मैं तृप्त महसूस करता हूं, मैं संतुष्ट महसूस करता हूं। अभी तक, उस दिशा में कोई विचार नहीं हुआ है। मैंने पाया है कि मानव की जरूरतें कम हैं। स्वयं होने का एक तरीका है- ज्यादातर समय पर निर्भर और आत्मनिर्भर। लेकिन फिर से, कोई नहीं जानता। आप किसी भी चीज के बारे में निश्चित नहीं हो सकते, यहां तक कि अपने शब्दों के बारे में भी। आपके शब्द बदल जाएंगे। अब से दो साल बाद मैं कुछ और कह रहा हो सकता हूं। और उस विरोधाभास में विकास झूठ है। ऋतिक रोशन और सुजैन खान ने दिसंबर 2000 में शादी की और कुछ साल बाद वे माता-पिता बन गए। उनके दो बेटे हैं - हरेन रोशन, जिनका जन्म 2006 में हुआ था, और ह्रदान रोशन, जिनका जन्म 2008 में हुआ था। ऋतिक और सुजैन का 2014 में तलाक हो गया था। सुजैन अब अभिनेता अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं।